नास्टमा कम्प्युटर इन्जिनियरिङ, बिसिएस, बिबिएस र सिभिल इन्जिनियरिङका साथै अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज

धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक २७ वि.सं. २०८२ सावन २७ गते मंगर थारु सम्वत (२६४८) [Tuesday 12 August 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

कैलाली कारागार घटना

दोषीहे कारवाहीके माग कैटी जाहेरी डेके आफन्तसे मृतक भरतके लहास बुझ्लै

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २६ सावन । कैलाली कारागारमे हुइल हिंसात्मक आक्रमणमे मारल भरत चौधरीके आफन्तहुके हत्याराहे कार्वाहीके लाग जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीमे जाहेरी डेटी चार दिनपाछे शव बुझले बटै ।

जिल्ला प्रशासन कार्यालय कैलालीमे प्रमुख जिल्ला अधिकारीसहितके छलफलमे ओइनके ढारल माग सम्बोधन हुइना आश्वासनपाछे लास बुझल हुइट । मृतकके परिवारसे हत्यामे संलग्न कैदीबन्दीके पहिचान करके कारबाहीके दायरामे ल्यानेपर्ना, उहाँक १५ वर्षीया छाईनहे सरकारसे निःशुल्क शिक्षाके व्यवस्था करेपर्ना लगायतके माग ओइने प्रमुख जिल्ला अधिकारी गोगन हमालहे सुनैले रहिट ।

प्रमुख जिल्ला अधिकारी हमाल माग सम्बोधन कैना तयार हुइलपाछे अपनेहुके लाश बुझल मृतकके भैया विजय चौधरी बटैलै । छलफल पाछे जिल्ला प्रहरी कार्यालयमे मृतकके परिवारसे जाहेरीफे डेले बटै । उ जाहेरी दर्ता हुके अनुसन्धान आघे बढसेकल जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलालीके प्रमुख प्रहरी उपरीक्षक बाल नरसिंह राणा बटैलै ।

लागुऔषध मुद्दामे ६ महिनास कैद भुक्तान करटी रहल चौधरीके कारागारभिटरे कैदीबन्दी समूहबिच झडपमे घाहिलपाछे उपचारके ल्यानलबेला डाक्टर मृत घोषणा करल रहे । कारागारके पुरुष 'ए' ब्लकमे रहल कैदीबन्दीके समूहसे भित्ता फुटाके 'बी' ब्लकमे रहल चौधरीसहितके ४९ जाने कैदीबन्दीउप्पर साङ्घातिक आक्रमण करल रहिट ।

रातके सेती प्रादेशिक अस्पताल पुगाइल

चौधरीहे चिकित्सकसे मृत घोषणा करल रहिट । यी आघे सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे मृतकके परिवारहे ५ लाख उपलब्ध करैना निर्णय करसेकल बा । मृतकके १५ वर्षीया छाई अब्बे ८ कक्षामे पहटी बटी ।

हृमालसे धनगढी उपमहानगरपालिकासे मृतकके छाईनहे पहैना बचन डेसेकल ओ सहयोगके लाग अपने अन्य संघसंस्थामार्फत पहल कैना मौखिक प्रतिवद्धता जनैले बटै । 'धनगढी उपमहानगरपालिकासे मृतकके छाईहे निःशुल्क पहैना व्यवस्था मिलैना कहल बा । प्रमुख जिल्ला अधिकारीके हैसियतमे मै फे पहल करम । टमान संघसंस्थासे सहयोग करही,' हमाल छलफलके क्रममे मृतक चौधरीके परिवारसंग कहलै, 'उहाँहे कुटपिट करके हत्या कैना कैदीबन्दीके पहिचान करके कानुन बमोजिम कारबाही करबी ।'

कारागारभिटर हुइल हिंसात्मक घटनाके अनुसन्धान करके दोषीहे कारबाहीके दायरामे ल्यन्ना उहाँ बटैलै । घटनाके सूक्ष्म अनुसन्धान करके कुटपिटमे संलग्नहुकनहे थप कारबाही कैना बटाइलपाछे ओइने शव बुझ्न सहमत हुइल बटै । घटनाके छानबिनके लाग सहायक प्रमुख जिल्ला अधिकारी किरण जोशीके नेतृत्वमे समेत पाँच सदस्यीय समिति गठन करल बा ।

उ समितिमे नेपाल प्रहरीका प्रहरी नायव उपरीक्षक राजकुमार सिंह ओ सशस्त्र प्रहरीका प्रहरी नायव उपरीक्षक जनकराज पन्त सदस्य बटै । ओस्टेक अनुसन्धान अधिकृत दीपेन्द्र सिंह ओ जिल्ला प्रशासन कार्यालयके प्रशासकीय अधिकृत शिवराज जोशीफे सदस्य बटै । समितिहे १० दिनके समय डेहल बा । हाल जिल्ला कारागार कैलालीके अवस्था सामान्य बन्टी गैल स्थानीय प्रशासन जनैले बा ।

भरतके परिवारहे प्रदेश सरकारसे पाँच लाख डेना निर्णय

कारागार कार्यालय कैलालीमे सावन २३ गते कैदी बन्दीहुँकनबीच हुइल भैं-झगडाके घटनामे मृत्यु हुइलक कैदी भरत चौधरीके परिवारहे राहतस्वरुप प्रदेश सरकारसे रु. पाँच लाख आर्थिक सहायता उपलब्ध करैना जनागिल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे कारागारलगायतके समग्र आन्तरिक सुरक्षाके विषयमे समन्वयकारी भूमिका निर्वाह कैना सन्दर्भमे माननीय मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाहके उपस्थितिमे सुदूरपश्चिम प्रदेश प्रहरी ऐन, २०७९ के दफा ९१ बमोजिमके प्रदेश सुरक्षा समितिके बैठक बैठके आर्थिक सहायता उपलब्ध निर्णय करल हो । सुदूरपश्चिम प्रदेश सुरक्षा समितिके सदस्य सचिव आमोद दाहाल आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालयसे उ निर्णय करल सार्वजनिक विज्ञप्ती जारी कैटी उ जानकारी डेहल हुइट । उ घटनामे हुइल घाहेलके सरकारी खर्चमे उपचार कैना व्यवस्था मिलैना, कारागार भिटर हेलोजन लाइट, सि.सि क्यामरा शिघ्र जडान कैना ओ कारागारके छानालगायतके आवश्यक मर्मत सम्भारके कार्य आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालयसे तत्काल सुरु कैना प्रदेश सुरक्षा समितिक सदस्य सचिव दाहाल जनैलै ।

विज्ञप्ति मार्फत कारागार प्रशासन ओ आन्तरिक मामिला तथा कानुन मन्त्रालयके समन्वयमे कारागार सुरक्षाके लाग तत्काल आवश्यक पर्ना उपकरण तथा साधन व्यवस्थापन कैना, वर्तमान अवस्थामे कारागारमे डेखल सुरक्षा *(बाँकी ३ पेजमे)*

प्रदेश सरकारसे विद्यालय भवन निर्माण

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २६ सावन । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे एक बरसमे प्रदेशके टमान जिल्लामे एकसय विद्यालय भवन निर्माण करले बा । सरकारसे गत आर्थिक बरस २०८१-८२ मे एकसयठो दुई कोठाके विद्यालय भवन निर्माण करल हो ।

प्रदेश सरकारसे सबसे ढेर कैलालीमे १९ विद्यालय भवन निर्माण करले बा । ओस्टके, बभ्काङमे १७, अछाममे १६, बैतडीमे १५, डडेल्धुरामे १४, डोटीमे आठ, दार्चुलामे छ ओ बाजुरामे पाँच विद्यालय भवन निर्माण करल प्रदेश सरकारके एक बरसके प्रगति विवरणमे उल्लेख बा ।

ओस्टके, सरकारसे कैलालीमे २०, कञ्चनपुरमे एक, डोटीमे १२, डडेल्धुरामे दुई, बाजुरामे दुई, अछाममे १४, बभ्काङमे पाँच, बैतडीमे तीन सहित ५९ विद्यालय घेरबार तथा खेलमैदान निर्माणके काम करले बा । टमान चार जिल्लाके विद्यालयमे सात शौचालय निर्माण हुइल जनाइल बा ।

ओस्टके प्रदेश सरकारसे डोटी बहुमुखी क्याम्पसके क्याम्पस भवन ओ प्रशासनिक भवन निर्माण करले बा । ओस्टके, अमरगढी बहुप्राविधिक शिक्षालय निर्माण सम्पन्न करल जनाइल बा । अमरगढी बहुप्राविधिक शिक्षालयके प्रशासनिक भवन निर्माणके क्रममे रहल प्रदेश सरकारसे जानकारी डेले बा ।

सिख्टी कमैटी कार्यक्रमके लाग प्राविधिक धार सञ्चालन हुइल छ विद्यालयहे अनुदान डेहल जनाइल बा । प्रदेश सरकारसे छ ठो सामुदायिक विद्यालयमे लघु संग्रहालय स्थापना करले बा । डडेल्धुराके भुवनेश्वरी माध्यमिक विद्यालय, डोटीके रामपुर मावि बुडर, कञ्चनपुरके लक्ष्मी मावि जगदिया, डडेल्धुराके जगदीश मावि बडाल ओ कञ्चनपुरके सत्यवती मावि बनगाउँमे लघु संग्रहालय स्थापना करल हो ।

प्रदेश निर्वाचन क्षेत्रभिट्टरके ३२ सामुदायिक विद्यालयहे प्रदेश नमुना विद्यालयके रुपमे सरकारसे छनोट करले बा । छनोट हुइल सक्कु विद्यालयके विकास गुरुयोजना तयार होके डिपिआरसहित भौतिक ओ शैक्षिक विकासमे नमुनायोग्य कार्य प्रारम्भ करल जनाइल बा ।

साक्षर प्रदेश घोषणा करल यी प्रदेशके १० वर्षे शिक्षा योजनाके प्रदेश सरकारसे तयारी करटी रहल बा । ओस्टके, प्रदेश शिक्षा नीति तर्जुमाके क्रममे रहल जनाइल बा । ओस्टके, प्रदेश नमुना विद्यालय सञ्चालन निर्देशिकाके प्रारम्भिक ड्राफ्ट तयार होसेकल जनाइल बा । प्रदेश नमुना विद्यालय कार्यसम्पादन अनुदान मापदण्ड तयारीके अन्तिम चरणमे रहल जनाइल बा ।

Shaileshwori Farwest School of Health Science & Technology
Dhagnadhi, Kailali

आवेदन फाराम भर्ने सम्बन्धी सूचना

उपरोक्त सम्बन्धमा प्रा.शि. तथा व्या.ता. परिषदबाट मिति २०८२/०४/०५ गतेको प्रकाशित सूचना अनुसार शैक्षिक सत्र २०८२/०८३ का लागि यस क्याम्पसमा सामान्य चिकित्सा, ल्याब टेक्निसियन र डिप्लोमा इन फार्मेसी कार्यक्रममा भर्ना अनलाइन आवेदन फाराम खुलेको व्यहोरा जानकारी गराइन्छ ।

अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने तथा बुझाउने सम्बन्धी व्यवस्था:

- आवेदन फाराम शुल्क: १०००।- (एक हजार मात्र)
- अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने मिति: २०८२ श्रावण ०६ गतेदेखि
- अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने अन्तिम मिति: २०८२ श्रावण २५ गतेसम्म
- अनलाइन आवेदन फाराम सम्बन्धमा: अनलाइन आवेदन फाराम www.ctevtexam.org.np मा उपलब्ध गराइएको ITMS Online मा भरी Submit गर्नुपर्नेछ ।
- अनलाइन आवेदन बापतको शुल्क फाराम भर्दाको समयमा नै Connect IPS वा Khalti Digital Wallet प्रयोग गरी रकम बुझाउनु पर्नेछ ।

अनलाइन आवेदन फाराम भर्न चाहिने आवश्यक कागजातहरू:

१. रंगिन फोटो 35mmx45mm साइज (२) प्रति
२. SEE नतिजा Online बाट प्रिन्ट गरेको (यसै सालमा SEE नतिजा प्रकाशितको हकमा)/पुरानो SEE/SLC को हकमा सक्कल मार्कसिट ।
३. SEE सक्कल प्रवेशपत्र (यसै सालमा SEE नतिजा प्रकाशितको हकमा) ।
४. चारित्रिक प्रमाणपत्र (Character Certificate) सक्कल ।
५. जन्मदर्ता वा नेपाली नागरिकता सक्कल ।
६. TSLC को हकमा SEE/SLC/TSLC अध्ययन गरेको सम्पूर्ण शैक्षिक कागजातहरू सक्कल ।
७. लक्षित वर्गको हकमा सो खुल्ने आवश्यक प्रमाणपत्र ।
८. शिक्षालयले अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने सम्बन्धमा आवेदक विद्यार्थीहरूलाई सहजीकरण गर्न सक्नेछ ।
९. सामान्य चिकित्सा (४०) मेडिकल ल्याब टेक्नोलोजी (३०) र डिप्लो इन फार्मेसी (४०) जनाको सिट सीमित छ ।
१०. सम्पर्क नं. ९८५८४२३५०६/०९१-५२१३०५

विमला पौडेल
क्याम्पस प्रमुख

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी
MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : राम दहित (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी
पहुना सम्पादक : कृष्णराज सर्वहारी
कानूनी सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी
व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)
प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

लागु औषधसहित पाँच पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २६ सावन । कैलाली ओ कञ्चनपुरके अलगअलग ठाउँसे अवैध लागु औषधसहित टमान ठाउँसे पाँच जाने पक्राउ परल बटै ।

कैलालीके बर्दगोरीया गा.पा.४ पुरैनाताल सामुदायिक बन क्षेत्र लग्गेसे लागूऔषध सेवन करटी रहल अवस्थामे जिल्ला कैलाली, लम्कीचुहा न.पा.६ गुलरा बैठना बर्ष २७ के शंकर जैसी ओ जिल्ला बर्दिया, गेरुवा गा.पा.१ थापापुर बैठना बर्ष २४ के किरण रावलहे ७ ग्राम लागुऔषध खैरो हेरोइनसहिट दुनु जनहनहे इलाका प्रहरी कार्यालय सुखड कैलालीसे खटल प्रहरी टोलीसे नियन्त्रणमे लेहल हो ।

ओस्टेक करके कैलाली जानकी गाउँपालिका १ दुर्गौलीसे उहे ठाउँ बैठना बर्ष २७ के क्षेत्रराज रावतहे १०० मिलिग्राम लागुऔषध खैरो हेरोइनसहिट पक्राउ कैगिल हो ।

इलाका प्रहरी कार्यालय टिकापुर,कैलालीसे खटल प्रहरी टोली नियन्त्रणमे लेहल हो ।

ओस्टेक कञ्चनपुरके बेलौरी न.पा.१० सडकघाटस्थित भारतसे नेपालओर अइटी रहल सु.प.प्र.०२-००३ प ८२३१ नम्वरके मोटरसाइकलहे चेकजाँच करेबेर चालक जिल्ला कञ्चनपुर कृष्णपुर न.पा.५ गुलरिया बैठना बर्ष २२ के गणेश रावत ओ मोटरसाइकल पाछे बैठल बर्ष २५ के टेकराम चौधरीहे १० ग्राम ५८० मिलिग्राम लागुऔषध खैरो हेरोइनसहित पक्राउ करल हो ।

इलाका प्रहरी कार्यालय बेलडाँडी ओ प्रहरी चौकी भुँडा, कञ्चनपुरसे संयुक्त रुपमे खटल प्रहरी टोलीसे लागुऔषध, मोटरसाईकल सहित ओइनहे नियन्त्रणमे लेके अनुसन्धान कैटी रहल बा ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ४ कित्ता नं. १३२९ क्षेत्रफल ६७७.२६ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री अम्बिका रिजालले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः संगम थापा — पश्चिमः श्याम सिंह भाट, हरि कृया
उत्तरः सडक — दक्षिणः देवेन्द्रबहादुर कुँवर, कमल भट्ट

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोटः साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *-सम्पादक*

दक्षिण एसियाके आर्थिक आउर राजनीतिक किनारामे थारु किसान आउर कमैया थारु

मोहन डंगौरा

थारु किसान दक्षिण एसिया आउर नेपाल के इतिहासमे किसान आन्दोलनके एकथो बहुत बरवार हिस्सा ओगथ्थै । थारु पहिचान आउर राजनीतिक, आर्थिक संघर्ष आठारौं शताब्दी से सुरु हुके आजतक फेन चल्ती रहल बा । नेपाल जब एकथो बरवार नेपालमे एक नइ हुइल रहे तब से, थारु अपन खेतुवा आउर अपन समाज के लग संघर्षरत करती आइल बाटै । जैसिके पहिले राजा, जिम्दरुवा, महतौं, वा गाउँक मुखिया के सेवा करती, ओइनके लग खेतुवा जोत्ति, ओइन्हे अपन उब्जनीके आधा से धेउर बालि करके रुप मे तिरके, न्यून आर्थिक स्रोत आउर भोकमरी झेल्के संघर्ष करै, उ अवस्था आज धेउर परिबर्तन हुइलेसे फेन, जोन आधारभूत संघर्ष रहे, उ आजफें थारु समाज हे आर्थिक आउर राजनीतिक किनारमे धकेल के धरले बा ।

थारु किसान वर्ग जन्मजात से कमैया हुके जन्मल नइ देखा पर्जाइत, लेकिन पुजीबाद आधुनिकता आनुसार चले नइ सेक के आउर शिक्षामे पाछे परके आज फे थारु किसान आउर थारु समाज आर्थिक आउर राजनीतिक रुपसे, दलन मे रहल कमैया के भाग्य मे जिना बाध्य बा । थारु किसान हुक्रे कैसिके कमैया थारु मे परिवर्तन हुइनइ कना के उत्तर मे एक्के चिज आइथ, उ हो घुमन्ते आदिबासी जीवन शैली ।

थारु किसान कभु फेन जमिन हे अपन निजि सम्पत्ति आउर उहिकिन हे अपन पहिचान, शक्ति आउर तागतके रुप मे नइ बुझ्नइ । दुइ चार वर्ष एक ठाउँ मे खेति करना, मन नइ परलेसे वा जिम्दरुवा वा कोइ फेन ट्याक्स (भुमि कर) उठुवैया आके बर्बर दुख देले से, ठाउँ छोर्के छल जिना । यि गतिबिधि नेपाल के नवलपुर, बुटवल, सप्तरी आउर दांग जिल्ला के थारुनके इतिहास हेरके पटा चलत । जिम्दरुवानके, राजानके आउर ओइने खताइल ब्यक्तिनके कचकच, दुख, शारीरिक आउर मानसिक तनाब सहे नइ सेक्के थारु किसान हुक्रे एक ठाउँ छोरके अउरे ठाउँ जइना कर । नेपाल के ठाउँ छोरके अंग्रेज शाषित भारत के बिहार, उत्तरपरदेश स्थित रायपुर, गोंदा, खिरि जैसिन जिल्ला मे बसाई सर जाई, आउर ई पर्क्रिया दोहोरो चले, कबु ओहोर से सट्वा पईले से नेपाल आ जिना क्रम चल्ती रहे । महेश चन्द्र रेग्मी, जिसेल क्राउस्कोप्फ,अर्जुन गुनेरात्ने, क्रिस्टियन म्याक्दोना के बहुत रिसर्चमे यि बात के ठोस सबुटके साथ प्रमाणित फेन कैगिल बा ।

अपन जोटना खेतुवा के पूर्ण स्वामित्व लेहे नइ चाहना, अपन नाउ मे दर्ता कर्लेसे सर ट्याक्स अपहि तिरी परि कना दरसे, अपन जोटना खेतुवा बरु जिम्दरुवा के नाउ रहे आउर अपने खाई भर के उब्जनी हुइगिलेसे खुस रना सोचाई आउर जीवन शैली के कारण थारु किसान, किसान से कमैया थारु बन गिनइ । प्राकृतिक साधन मे बचना मन परैना, खैक लग कुलुवा, तलुवा आउर लादियक मच्छि हुइगिलेसे हुजिना, एक ठाउँ के खेतुवा के उब्जनी खाके आउरे ठाउँ बसाई सरना, अपन गाउँके मुखिया है अपन भगवान के दर्जा देना, कुल देवता संगे मुखिया है फेन पुजना चलन के कारण जमिन कबु फेन निजि हुइ परि कहिके सोचाई विकास नइ हुइल । दुःख के बात, १९५१ थन्से, जब नेपाल मे बिदेशी सहयोग आइन दगर खुलल, भुमि सुधार आयोग बनल, राष्ट्रिय वन नीति लागु हुइलस, प्रकृति मे रमाके, प्रकृति है अपन मानके, प्रकृति हे जिते पर्ना, अपन निजि सम्पत्ति के रुपमे दर्ता करेक पर्ना दर्शन बोकाल थारु धीरे धीरे आर्थिक आउर राजनीतिक किनारा मे पर्टी गिनै । संगसंगे सुरुहुइल पुनर्बास करेक्रम के कारण पहाडिया समुदाय, भुटान, बर्मा आउर सिक्किम से नेपाल के तराई मे बहुत भरि मात्र मे बसाई सराइ हुइल । यि सब गतिविधि १९५४ से अमेरिका के सहयोग मे सुरु हुइल मलेरिया उन्मुलन से सुरु हुइल घटनाक्रम रहे । United States Operations Mission (USOM) द्वारा संचालित मलारिया उन्मुलन कार्यक्रम सिर्फ मलारिया उन्मुलन कार्यक्रम नइ रहे, ई कार्यक्रम नेपाल जैसिन गरिब मुलुक है आधुनिकता वोर लैजिना एकथो बरवार प्रोजेक्ट रहे । आधुनिकता लागु करना दौरान, जमिन के फेन रजिष्ट्री सुरु हुइल । पढल लेखल पहाडिया समुदायके हिना खईना मनै जब फटुवा फटुवाके जमिन अपन नाउमे करैनामे व्यस्त रही, सोझ थारु किसान खेतुवा जोत्ति मिझनी खैति रमाई तह । ट्याक्स तिरे पर दरसे जमिन जिम्दरुवा के नाउ रही ते मज रही सोच रहल थारु, जमिन हे अपन नाउमे दर्ता करना चुक गिनै । करेक खोज्लेसे फेन सिक्षा आउर पढाई लेखाई के कमि के कारण, जटना जमिन पाइक परना हो वोतना नइ पाई सेक्नई । संग संगे सुरु हुइल वन जंगलके राष्ट्रिय करनके कारण, अधिकांस थारु किसान ओइने जोत्ति आइल जमिन आरक्ष, नेशनल पार्क आउर बन्यजन्तु आरक्ष मे कन्भर्ट हुइगिलिन । बचल कुचाल थोर चुन जमिन मे फेन, बर्बार परिवार पाले परना मजबूरी, आर्थिक कमजोरी आउर भोकमरी के अवस्था हे जिएक लग जिम्दरुवा के आगे हात फैलईना बाध्य हुके, गरिबी आउर जालसाझी के चक्र मे फस्ती गिनै ।

बन जंगलके राष्ट्रियकरन आउर थारु बासस्थान के लोप

सन् १९५७ मे जब वन राष्ट्रियकरन के कानुन नेपाल मे लागु हुइलस तबसे थारु बैश्ती आइल जल, जमिन आउर जंगल राष्ट्रके अधिन्मे आगिल । यी कानुन से थारु ओइने जोत्ति आइल खेतुवा, मच्छि मर्ति आइल कुलुवा, तलुवा आउर लडि□या, शिकार खेल्के अपन पेट पल्टी आइल बनुवा सब अपन अधिकार से गुमा धनै। आधुनिकता के नाम मे पश्चिमी सभ्यताके जोन अन्ध अनुसरण हुइल रहे उ थारुनके लग घाटक हुइ पुगल । थारु ओइने कबु फेन बनुवाहे नास कर्के, उहिकिन है फारके, रुखुवा बोट बिरुवा सब काटके खाइना समुदाय नइ रहत । बनुवा आउर प्रकृति ओइनेके लग अपन जिनगीके एकथो अभिन्न अंग रहिन । अपन खाना आउर जिनगी के स्रोत रहल बनुवा राज्य के अधिन मे गिल देख के थारु समुदाय दुखि ते रहे आउर संग संगे चिन्तित फे कहेकी यी कानुन सिर्फ राज्यसत्ता के केंद्रमे रहल कुछ वर्ग हुक्रन किल फाइदा पुगैना किसिम के रहे । प्रर्क्तिक स्रोत हे बचैना बहाना मे विदेश मे वन स्रोत के बेच बिखन सुरु हुइ लगल । जोन बनुवा हे थारु समुदाय बर्षौं से बचैती आइल रहे, प्राकृतिक नियम अनुसार ओकर संसाधनके उपयोग कर्ति आइल रहे आउर अपनत्व के भावनासे बनावसे व्यवहार कर्ति आइल रहे, आइसिन नीति के कारण प्रक्रित आउर थारु समुदाय के बिचमे दरार आगिल आउर प्रकृति ब्यापारी, काठ तस्करी, जडिबुटी आउर जंगली जनावर ओइने हाडछाला तस्कर ओइनके अधिन मे आगिल । जेकर पावर, आउर पैसा बा उ बनवा के ठेकेदार वन गिनै आउर थारु किसान समुदाय उहे बनुवाके सुकुम्बासी, अतिक्रमंकारी आउर गैर कानुनी तरिका से बैथल सिमान्तकृत समुदाय । अट्नई किल नइ, उहे थारुनहे बनुवा मे घाँस, काथी आउर पत्ता लेहे गिल बेला मे फे बनुवाके स्रोत तस्करी करल आरोप मे आर्मीन से पक्राइना, पिटवा पैना, जेलम डर देन, गलत मुद्दा लगाके दुःख डेना आउर गलत मुठभेड मे गोलि मार्के मुवा डेना जैसिन दुख डेना सुरु हुइल (म्याक्समिल्लियन मोर्च १०८-१३७) । जस्तेके धीरे धीरे थारु प्राकृतिक स्रोत के उप्पर से अपन अधिकार गुमैती गिनै ओस्तेके राजनीतिक रुपसे फेन शोषित हुइति गिनै । अवस्था एहाँ सम आगिल कि थारु समुदाय जमिनहिन होके बचे पर्न हुइ गिनै । जमिन के मालिक थारु पहिले फेन नइ रहै लेकिन जमिन है खुला रुपसे जोटके, ओकर उत्पादन मे बहुत स्वन्तन्त्र हुके रमाके बैथल रहेट । १९६० के दशक के बाद जब नेपाल मे आधुनिकता फैलल आउर जब आवश्यकता बढे लगल, बजार के अवधारणा आइलास, खेति किसानी के बावजुद आउर फेन काम कर्ना जरुरत परे लागल, थारु समुदाय पाछे परगिल । जिम्दरुवाक खेटवा जोटके भुमिकर नइ टिरल बानी, खेति बाहेक आधुनिक समय अनुसारके आउर आर्थिक रोजगार नइ जन्ना, सिक्षा मे बहुत पछ्गुरल हिलेक ओहोरसे धीरे धीरे आर्थिक रुपसे बहुत कम्जोर हुइति गिनै आउर जमिन रहल धेउर हस किसानफे जमिन बेचके गुजारा चलैना बाध्य हुइगिनै । पढाल लेखल पहाडिया समुदाय के आगे हात जोर्न बाध्य हुइ गिनै । घर खर्च चलाइक लग ऋण लेना, उहे ऋण तिरे नइ सेक्के जिम्दरुवाक घरे मे बेगारी करे पर्ना, ऋणके मारमे भ्रुन् पर्टी जिना, थारु समुदाय एकथो कबु नइ उम्के सेकना चक्रब्युईमे फस्ती गिनै आउर कमैया हुइना बाध्य हुइनइ ।

१७२६-१८८०. ब्रिटिश नेपाल युद्ध (१८१४-१८१६) के दौरान थारू

थारु समुदाय इतिहास से, कबु फेन जमिन ओगटके बैठ्ना समुदाय नइ रह । जमिन जतना जिम्दरुवा के रेख देख मे रना आउर अपने भर खेतुवा के उब्जनी किल खईना चलन देखा परजैथ। हुइना ते थारु मुखिया, जिम्दरुवा वा बधघर ओइने फेन खुद अपन मे ते जिम्दार नइ रही लेकिन तत्कालिन जोन पंचायती व्यवस्था रहे, उहे राजान के, राजा ओइनके बिशेष मनैनके बिशेष खाटैल रेख देख करुइया एकथो मुन्सी अथवा ठेकेदार रहई । सप्तरी जिल्लाके तत्कालिन जिम्दरुवा तेज नारायण पंजियार द्वारा जम्मा करल २० ठो कागजात मे यि बात स्पष्ट हु जाइथ। १७२६ के बाद के तत्कालिन प्रधानमन्त्री भीमसेन थापा आउर थारु मुखिया ओइनके बातचित हुइल चिठी पत्र से ई बाट स्पष्ट हुइथ (जिसेल क्राउस्कोप्फ) । अठारौं शताब्दीके शुरुवात ओहोर नेपाल के पाल्पा, गुल्मी, आउर मकवानपुर जैसिन छोटा छोटा राज्य अभिन फेन ओत्ने तागतवर् रहई । मध्ये तराईके ठाउँ जस्ते सप्तरी, नवलपुर आउर बुटवल के तराई मे यि छोटा राज्य आउर गोर्खा के राज्य मे आपसी मनमुटाव रहिन । जस्ते कि मकवानपुर के सेन राजा ओइने सप्तरी जिल्ला मे थारु मुखिया द्वारा अपन जमिन के रेखदेख करइ । उहे बेलम सन् १७२६ मे राजा महिपाल सेन, सप्तरी जिल्ला के जिम्मा रनपाल चौधरी हे देला रहई । यी बात महेश चन्द्र रेग्मी अपन किताब मे लेखले बताई जहाँ रनपाल से पाछे ओहाकर छावा आउर नाति हेम चौधरी आउर मधुराम चौधरी सप्तरी जिल्ला के ट्याक्स उठैना जिम्मा पैला रहई । यमने फेन बहुत विवाद रहे । पहाडिया समुदाय के मनै राजा आउर थारु किसानके बर्हिया सम्बन्धसे खुसि नि रहई । ओइने यी अधिकार अपने लेहे चाहई । लेकिन तब्बेक राजा थारुन पर विश्वास करलेक ओहोर से यी अधिकार थारु मुखिया ओइनहे नइ देहई । लेकिन थारु मुखियान के यी अधिकार आउर सुबिधा फेन धेउर दिन नइ टिकल यहा रहल जमिनके कर के उठाई पईना, किहिन कर उठैना ठेक्का देना कना बर्बार विवाद चालु रहे । उन्नाईसउ सताब्दी के सुरुवात ओहोरसे यि समस्या आउर बधगिल । थारु मुखिया ओइनके कर उठैना अधिकार धीरे धीरे कम्जोर हुइति गिलिन । यी राजा हुक्रे अपन द्वारा चुनल नाजिक्के मनै पठाई लग्लाई । कर उठुवईया सुबेदार, तालुकदार आउर पटवारी जैसिन पद रहल मनै थारु बस्ति मे आके ज्यादती करना, गाली गलौच करना, महंगा कर तिरैना । यी सब झेले नइ सेक के सन् १८०५ मे तो नवलपुर के ५२ थारु किसान परिवार नेपाल के भूभाग छोरके, अंग्रेज शाषित भारत बसाई सरल रहई (क्राउस्कोप्फ, २०००) । सन् १८४२ मे आके जब सरकारी कामकाज कर्मचारीतन्त्र मे औपचारिक रुपसे प्रवेश करल, तबसे ते आउर थारु मुखिया ओइनके बचल कुचाल अधिकार फेन ओरागीलिन (क्राउस्कोप्फ, २०००, १४१) । नेपाल आउर इंडियाके सिमाना प्रष्ट नइ हुइल ओहोरसे फे ऐसिन बसाई सराइ सम्भव रहे । थारु पुरा गाउँ नइ खाली करके भाग गिल पाछे, थारु किसानके मेहेनत मे बचल राजा रजौटा ओइनहे ते समस्या आईन आउर यी समस्या हे हटाईक लग तत्कालिन प्रधानमन्त्रि भीमसेन थापा, थारु किसान हुक्रन, नेपाल फिर्ता आइन अनुरोध कर्ति लेखल चिठी फेन सबुत के रुप मे महेश चन्द्र रेग्मी आउर तेज नारायण पंजियार प्रस्तुत् करले बाटै (क्राउस्कोप्फ, गुनारत्ने) । उ बेलम थारु किसान ओइने अंग्रेज साशित भारत मे खेति किसानी के बर्हिया माहोल पैलेक ओहोरसे भर भर के भारत मे बसाई सर गिनई । एहोर जुन किसान मजदूर के कमि हुइलेक ओहोरसे बिहार आउर बेइगालसे नेपाल के राजा ओइने मजदूर भिकैना बाध्य रहई । थारुन के हस खेति फेन नइ करे जान्न आउर खेति फेन नई करना यी समुदाय पूर्वी आउर मध्ये नेपाल के तराई मे बसोबास करल जोन समुदाय आज मधेसी कहिके चिन जैठ । सन् १८१४ मे गोर्खा सेना अंग्रेज से हारके हुइल सुगौली सन्धि मे फे पश्चिम तराई के चार जिल्ला बाँके, बर्दिया, कैलाली आउर कंचनपुर अंग्रेज ओइने लई लेले रहई । बादमे सन् १८५७ मे लखनउ मे सुरु हुईल इन्डियन म्युतिनी नामक बिद्रोह हे दबाइक लग जब नेपालके सेना अंग्रेज सेना से मिलके काम करनई आउर जित हासिल हुइल, अंग्रेज ओइने खुश हुके, पश्चिम तराईके यी चार जिल्ला नेपाल हे सहयोग करल उपहार स्वरुप देहल हो । ऐसिके फेन दोसे इंडिया मे रहल थारु किसान नेपाली हुइनई ।

दांगसे भागल थारू-बुरान पुगल थारू पुर्खा, बुरान पुगल कमैया संघर्ष

सन् १९६० के दशकसे नेपाल मे आधुनिकता के परबेश हुइल । भुमिसुधारु आयोग के पूर्वाग्रही व्यवहार आउर ओकर उप्पर से दाडके जिम्दरुवान के सहे नइ सेकना किसिम के व्यवहार, आयआर्जनके स्रोत के कमि, जागिरके अवसर नइ रना ओहोरसे थारु समुदाय धेउर से धेउर संख्यामे दाडसे पश्चिमी तराईके बर्दिया जिल्ला के कर्णाली लडिया के आसपास बुरान कना ठाउँ मे बैठ गीनै । कर्णाली लडिया के बनुवा किनारे किनारे सुकुम्बासीके रुपमे बैठ के, बनुवा फारके, पहाडिया जिम्दरुवानके घरेम काम करके गुजारा चलाई लगनई । दंगौरा थारुन के अवस्था येह फे नइ सुधरल रहे । बर्दियाके फटुवा फटुवा अपन बस्ति आउर गाउँ बसाके, जंगली जनवार आउर जिम्दरुवान से लड्के कमैया थारु इतिहास आगे बाधा तेहे । थारुनके भगना एकथो बिरोध स्वरुप देखे सेक जैथ जोन दक्षिन पूर्वी एशिया के पहाड आउर हिमाल मे बैथुइया जाति ओइनके राज्य द्वारा लादल एकीकृत नीति बिरुद्ध बिरोध करना तरिका रहे । यी बारेम जेम्स स्कोट, विलिअम भ्यान सेंदेल आउर क्राउस्कोप्फ लेख ले बाटै । क्राउस्कोप्फ येहिन हे थारु ओइने अपन गोरासे करल मतदान काले बताई । यही किन एक किसिम के नरम आउर अप्रत्यक्ष बिरोध कहिके कले बाटै । थारु समुदाय राजा रजौतन संग प्रत्यक्ष लड्न चिजसे जब फेन दुर रना खोजई । *(बाँकी ३ पेजमे)*

दक्षिण एसियाके आर्थिक...

आदिवासी जातिके यी मेरिक चलन हे गोरासे मतदान करना, राज्यकेन्द्र के एकलौटी निर्णयहे बहिस्कार करना एक ठो रणनीति के रुप मे काम करथ । राज्य सत्ता से सोझे लडे आउर बिरोध करना स्थिति नइ रह पाछे, आदिवासी समुदाय ऐसिन रणनीति से अपन स्वतन्त्रता आउर स्वायत्तता जनैथई । जब नेपाल के सेन आउर गोर्खा के राजा हुक्रे थारुन हे अपन अधिन मे कर्मचारीतन्त्र मार्फत मजबूर करके नाने लगनइ आउर ओइनके स्वायत्तताहे कमजोर परना काम करे लगनइ, थारु किसान समुदाय चाहे पूर्वी नेपाल से ओहई वा दाङसे, गाउँ गाउँ भरके बसाई सरके, सरकारके नीति आउर सरकारी नोकर के बिरोध जनइनइ । दाङसे बर्दिया आइल थारु हुक्रणके अब येहोर ओहोर बसाई सर्न फेन धेर ठाउँ नइ रहिगिल रहे । नेपाल इंडिया के स्पष्ट बोर्देर हुइना, तराई के बहुत जैसिन जंगली एरिया राष्ट्रिय सम्पत्ति, निकुञ्ज आउर आरक्ष बन्ना जैसिन घटना करम थारुनके बसाई सराई आउर स्वायत्तताके संकुचित पारदेहल । दाङसे निक्रल कमैया थारु चरण चरण के आन्दोलनके बावजुद जुलाई १७ २००० मे अन्तत्व अधिकारिक रुपसे सरकारके घोषणा बावजुद मुक्तते हुइनइ लेकिन व्यवहारिक रुपसे बहुत समय सम संघर्ष करेक परलिन । आज सम मुक्तकमैया के घोषणा पाछे फे, बहुत जैइसिन कमैया एकथो निम्न स्तर के जिन्दगी से उप्पर उठेक लग संघर्ष करती बाटैं ।

शिक्षा, समुदाय भित्तरके वर्ग विभाजन आउर वर्तमानमे थारु

थारु समुदाय शिक्षाके कमिसे पिछरल समुदाय हो, शिक्षा के कमि के कारण काल्हिक दिन मे कमैया बन्ना मजबूर हुइल थारु आज फे शिक्षा के कमि के कारण दुख पैटी बा । पढे लिखे नइ जान के जोन हिसाब से बिगत मे चालक जिम्दरुवा आउर सरकारी कर्मचारीन के शिकार बन्नई आझिक अवस्था फे उहिकिन से कुछ बहुत सुध्रल नइ हो । शिक्षा मे घट्दो डर थारु समुदाय के लग बहुत चिन्ता के बिषय बनल बा । परिवार बहरके रहल जमिन आउर खेतुवा मे आइल कमि, वर्तमान पुस्तासे आघेक पुस्ता अभिन फेन अशिक्षित रहल अवस्था, जागिर के कमि के कारण वर्तमान मे थारु समुदाय बहुत खतरनाक आर्थिक कमजोरी आउर बेरोजगारसे पिडित बा । गाउँ घर के स्कूलमे थारु विद्यार्थीन के कमजोर उपस्थित आउर खराब शैक्षिक प्रदर्शन बहरति गिल बा । मोबाइल, इन्टरनेट, आउर सामाजिक संजाल मे पहुछ के कारण मजा बन्ना स्थिति, शिक्षा छेत्र हे झन् कमजोर करा देले बा । आधुनिक प्रविधिके फाइदा लेना ठाउँमे थारु समाज के लरका झन् झन् पढाई लेखाई पर्ति बेवास्ता करती जाई टाई । पहिले से शिक्षा के कमि के कारण पाछे परल समाज फे दोसरु शिक्षा हे बेवास्ता करल कारण पाछे हुइट । एकर साथ साथे ड्रग्स के कुलत मे फसना, कुलत मे फसके न पढे सेकना न कोनो काम करे सेकना, अब्ब के बहुत बर्वार समस्या हुइल बा । समुदाय के बहुत जैसिन लरका छोट्ते उमेरसे कुलत मे फसल बाटै । दाई बाबानमे शिक्षा के कमि, अभिवाकत्वके जानकारी के कमि आउर लरकनहे कईसिके हुर्काइत परथ कन ज्ञान आउर संस्कार के प्रष्ट कमि के कारण वर्तमान थारु लरका, शिक्षामे बेवास्ता, पढाईलेखाई मे कमजोर, लागु पदार्थ दुर्व्यसन मे फसना जईसिन एकदम गम्भीर समस्या से गुजरतई । गाउँमे खेति करना बाहेक आउर कोनो बिकल्प नइ रहल ओहोरसे, आर्थिक कमजोरी आउर बिस्वव्यापी संसार मे हुइत घटना करमसे अन्जान रहल अवस्थामे अपन अधिकार, पहिचान आउर आर्थिक सशक्तिकरण के लग लरना अवसर सिर्जना करना अवस्था मे कमि आइल बा । सामाजिक आउर आर्थिक चेतना मे कमि के कारण थारु समुदाय सिमान्तकृत वर्गसे उप्पर नइ उठे सेकल अवस्था बा ।

थारु समाज अपन भित्तरके वर्ग सघर्षसे फेन जुझ्ती रहल बा । थारु समुदाय मे एक वर्ग के थन भरपुर जमिन आउर खेतुवा बाटिन कलेसे एक वर्ग यानिकी विशेष कमैया वर्गन थन अपन छोटमोट घर बाहेक अपन नाउ मे घर भरिक जमिन फे नइ हुइतिन । कमैया समुदाय आज फेन कोनो गाउँ, बजार वा बस्तिके किनारे अपन टोल, समाज वा गाउँ लेके बैथल बाटई । दिन भर लेबर मजदूरी करके अपन पेट पालना संघर्ष करती रहल बाटई । दैनिक कम करके गुजारा चलैना अवस्था रहल कमैया थारु, आज फे अपन लरकान के पढाई, ओइनहे बर्हिया पालन पोषण आउर मजा लवाई खोवाई देना मे असमर्थ बाटई, कमैयान के लग काम करना संस्था कमैयान हे सहि माएने मे अजाद करना असफल रहल देखा परजाइथ । गरिबी आउर रोजगारी के कमिसे आज फेन पुरा थारु समुदाय चरम आर्थिक संकटसे गुजरता । ओस्तेके एक ओहोर धेउर जमिन, खेतुवा रहल थारु समुदाय फे बा लेकिन उ थारु समुदाय, थारु अगुवा, थारु नेता जे हुइना खाइना थारु समुदाय से आइथई ओइने फेन एक ठो एकीकृत सोच, रणनीति, संगठन बनाइनामे असफल हुइल देखा परथ । सम्पन्न थारु आउर कमैया थारु मिलके वर्गसंघर्षके लग काम करे परना अवस्था मे थारु समुदाय अपन मे विभिन्न समूह, आपन जाति के भित्तर उपजातिमे विभाजित हुइल समुदाय हो। समाज के भित्तरे आर्थिक रुपमे कोइ अपन हे जिम्दरुवा, बड्घरके रुपमे कमैया थारु से अलग रुप मे हेरथ आउर कोइ फेन सामाजिक कार्य जस्ते भोज करना, नाता मिलैना काम आइसिन दुई किसिम के थारुन के बीच नइ हुइत् । ओस्टके कोइ थारु दहित वर्गमे परथु कहिके थरुन भित्तर रहल कुमाल थारु समुदायसे कोनो फेन पारिवारिक सम्बन्ध नइ जोरना संस्कार थारु समुदायमे आजसम चल्ति आइल देखा परठ । गैर थारु समुदायके लग, समग्रमे थारु समुदाय एक्के ठो रलेसे फेन, थारु समुदायके भित्तरभर बहुत किसिम के जात आउर उपजात मे बटल समुदायके रुप मे देखा परथ । जहाँ सम्पूर्ण थारु मिलके अपन सामाजिक आउर आर्थिक अधिकार के लग काम करे परना अवस्थामे, थारु समुदाय अपन भित्तरे बटल बा आउर जोन विभेद के बिरुद्ध मे पहिले से संघर्ष करती आइटा आज ओकरे शिकार खुद बनल बा । कुछ सम्पन्न थारु आर्थिक रुपसे बलगर हुइ, अपन लरकान बर्हिया शिक्षा देहे सेकल हुइ लेकिन अईसिन कुछ थारुनके अवस्था फे बिगरति गइल अवस्था बा ।

जमिन आउर खेतुवा बाहेक आउर आर्थिक स्रोत नइरहल थारु, अपन थन रहल जमिन बेचके पक्कि घर बनैना, छाई छावनके भोज करना वा अपन लरकनके उच्च शिक्षा मे लगानी करना मजबूर बाटई । साथ साथे चालक मनैइनके छल मे फसके, धेउर लोभमे, जथाभावी अपन सम्पत्ति हे बैंक मे गिरवी धारके वा सम्पत्ति बेच बेच करल लगानी डुवल पाछे, समुदाय मे आर्थिक अवस्था भयावये बन्ति गिल अवस्था बा । शिक्षा मे करल अईसिन लगानी बाहेक आउर किसिम के लगानी परिवार आउर समुदाय हे आर्थिक रुपसे झन् कमजोर करति गिल अवस्था बा । घट्तीगिल पैतृक सम्पत्ति बहुत सम्पन्न थारुन हे आज कमैया के हालत मे पुगा देले बा । छितराके रहल थारु समुदाय आज अपन भित्तरे से विभाजित हुइल बा । राजनीतिक रुपमे फेन थारु समुदाय एकथो प्रभावकारी अगुवा के कमिसे जुझ्ता । २०७९ सालमे थारुन के भावनासे उभरल पार्टी आज राजनीतिक आउर नैतिक रुपसे थारु समुदाय से दुर दुर टक कोइ नाता रहल नइ देखा परथ । राजनीतिक चेतना के कमिके कारण फे थारु समुदाय एकथो सशक्त नेता आउर अगुवा पैदा करना मे असफल हुइल देखा परथ । पछिल्लो समयमे आशा के किरणके रुपमे देखा परल रेशम लाल चौधरी, थारु समुदाय हे उल्टा एकथो बहुत बरवार धोका रुपमे देखा परथ । रेशम लाल चौधरी मे जोन आशा आउर भरोशा देखइले रहई, उ भरोशा सम्पूर्ण रुपमे टुटल देखा परथ । खुद अपन समुदाय के नेतानसे पाइल धोका पाछे समुदाय मे चरम निरासा देखा परथ । समुदायके उत्थानके लग काम करना अगुवा के कमि के कारण समुदाय झन् झन् पाछे परटि गिल अवस्था बा ।

वर्तमान मे थारु समुदाय आघेक डगर

देश के केन्द्रिये राजनीतिक पहुचसे बहुत दुर रहल थारु समुदाय, अब्ब फेन कमजोर राजनीतिक प्रतिनिधित्व से पिडित हुइल बा । संसदमे थारु सांसद हुके फेन अपन आर्थिक आउर सामाजिक कल्याणके लग अवाज उठैना समस्या भोगती रहल बाटइ । थारु अगुवा हुक्रे जब सम अपन व्यक्तिगत स्वार्थसे उप्पर उठ्के समाज हे एक करैना, पिछडापन से आगे नन्ना, शिक्षा के लग व्यापक अभियान चलैना काम नइ करहि, थारु समुदाय सामाजिक आउर आर्थिक प्रगतिसे झन् झन् दुर हुइटि जाइ । अब्ब के अवस्था मे थारु समुदायमे प्रविधिमे आधारित शिक्षा आउर रोजगारी मुलक सिप के व्यापक जरुरि बा । जब सम आधुनिक समय अनुसारके शिक्षा मे लगानी नइ करहि, आर्थिक रुपसे बलगर हुइक लग सिप नइ सिक हि, समुदाय आगे बढ्ना चुनौती सामना करटि जाइ । अधिकांस थारु युवा अब्ब देश आउर विदेश के विभिन्न कोनुवा मे काम करे पुगल बाटै । कमजोर आर्थिक अवस्था रहल प्रायजसो देशके बहुत ठाउँ मे रोड, घर आउर अस्तहके कोइ फेन निर्माण कार्यमे मेहनत मजदूरी करटि बाटै कलसे बहुत से युवा भारतके बहुत प्रदेश जस्ते मुम्बई, पुने, दिल्ली, बैंगलोर आदि विभिन्न ठाउँ मे मेहनत मजदूरी करटि बाटै । अईसिन कामसे कुछ समय के लग फाइदा हुइले से फेन, दिगो रुपमे घाटा बेहोरेक परथिन । तिन चार महिना काम करना, फेन घरे वापस आजिनाके कारण स्थायी रुपमे एकथो काममे लागे नइ पईना, थारु युवा हुक्रण के बर्वार समस्यासे रुपमे देखा परल बा । जब सम शैक्षिक आउर आर्थिक रुपसे थारु समुदाय भित्तरसे बलगर नइ हुइ तब सम जोन जातिबाद आउर आर्थिक दमनके बिरुद्धके संघर्ष बा, उ कबु पार नइ लागि। थारु गाउँ मे गायब रहल उच्च शिक्षा प्रदान करना स्कूल, क्याम्पस, संस्थान खोल्न जरुरि बा । अब्ब थारु युवा ओइनहे पढेक लागक कोनो फेन थारु गाउँ मे उच्च शिक्षा प्रदान करना क्याम्पस नइहो । कोइ फेन थारु अगुवा शिक्षा सम्बन्धि काम हे गम्भीर रुप से लेके, एकर लग काम करल नइ देखा परथ । जब सम्म थारु समुदाय के अगुवा यी विचार धारके काम नइ करहि तब सम्म, गाउँ घर मे फैलाल आर्थिक पिछ्दापन नइ हटी । केन्द्र सरकार आउर देशी बिदेशी दाता संस्था हुक्रनसे मिलके समाजके शैक्षिक अवस्था सुधारेक लग काम करना, अब्बके तत्काल आवस्यकता देख परथ। अब्ब के आवस्यकता कना समुदाय के भित्तर एकता चाहल हो, जब सम्म आर्थिक रुपसे थोरचुन सम्पन्न थारु, गरिब आउर कमैया थारुन हे अपन मे मिलाके नइ सोचहि, तब सम समुदाय के समग्र विकाश मे बाधा उत्पन्न हुइटि रिही । जहाँ जहाँ स्थानिय थारु अगुवा ओइने नेतृत्व कर टइ, स्थानिय निकाए के सरकार चलाई टइ ओइने फेन, केवल अपन स्वार्थ नइ हेरके, सम्पूर्ण समाज के अवस्था परिवर्त के लग, काम करेक परना आझुक आवस्यकता के रुप मे देख जइठ ।

थारु समुदाय के उत्थान के लग आज के समयमे भाषा, साहित्य, इतिहास मे अध्ययन अनुसन्धान के बहुत जरुरत बा । थारु इतिहास मे जतन फेन अनुसन्धान हुइल बा, बहुत से थारु समुदाय के मनइन पटा नइ रह चिज मे बिदेशी अनुसन्धान कर्ता ओइने पटा लगिले बाटै । अशिक्षा के कारण अपन समुदाय के इतिहास आउर कला, संस्कृति बचाई नइ सेकना थारु समुदाय के बरवार कमजोरी के रुप मे देखा परल बा । अपन रहल पहिचान आउर इतिहास हे शब्दके मार्फतसे जगेर्ना नइ करे सेकना आज समुदाय के लोप हुइल इतिहास के कारकके रुपमे देखा परथ । जत्तिके खास पुर्बज ओइने केकर सन्तान हुइट, खासमे कहाँसे आइनइ कना आज फेन कोनो लेख जोखा नइ रहल देख परथ। थारुन के महाभारत “बड्का नाच” मे फेन फ्रान्सेली मानवशास्त्री आउर अध्ययनकर्ता जिसेल क्राउस्कोप्फ आउर पामेला दुअल ओइने लेख ले बाटै । ओस्टके थारु मुखिया आउर राजान के बीच मे कैसिन सम्बन्ध रहे कहिके फेन क्राउस्कोप्फ आउर अर्जुन गुनेरात्नेके बहुत से अध्ययन मे जानकारी आइल बा । ओस्टके दाङ के थारुन के बारेम द्रोण प्रसाद रजौरे, क्रिस्टियन म्याक्दोना लगायत के अनुसन्धान कर्ता ओइने फेन बर्हिया अध्ययन करले बाटै । थारु अध्ययन कर्ता ओइने फेन बिशेष करके दाङमे तत्कालिन अवस्था मे रहल दमन, कमैया थारुनके हालत, थारु अगुवा हुक्रनके संघर्ष के बारे मे लेखले बाटै, लेकिन थारु इतिहासके बारेम खुद अब्बके थारु युवा हुक्रन चासो नइ रहल अवस्था देखा परल बा। थारु अध्ययन मे लगल बौद्धिक वर्ग जस्ते अशोक थारु, कृष्ण राज सर्बहारी, गोपाल दहित ओइने फेन अपन अध्ययन अनुसन्धानसे थारु भाषा संस्कृतिमे बिशेष योगदान पुगाइल देखा परथ । बहुत से थारु युवा हुक्रे भर अब्ब डिजिटल माध्यम जस्ते युटुब से थारु भाषा के गीत, नाच हे उत्पादन करल देखा परथ । पहिले के समय मे प्रविधि नइ रलेक ओहोरसे फेन मौखिक रुपमे गईना गीत, कथा कहानी, बत्कोही, भाषाके व्याकरण, शुद्धता, मिठासपन हे थारु समुदाय बचाई नइ सेकल । अब्ब जोन किसिम से सामाजिक संजाल के प्रयोग बा, जैसिके युटुबमे नाच आउर गीत दरना चलन बा, उहिकिन से पुरान भाषाके नाचगान हे फेन दोस्रो सिर्जना करके संसार सामु अपन हेरइटि गिल संस्कृति हे बचैना मजा अवसर प्रदान करले बा । प्रविधिके प्रयोग करके लेख, रचना हे संसार मे अध्ययन अनुसन्धान करुइयनके उपलब्ध करैना जरुरि हुइल बा । इन्टरनेट के समय मे बहुत हस लेख आउर अनुसन्धान करल सामग्री सजिलो से पहुच हुइल बा कलेसे, एकर उपयोग से कोनो फेन लेख पढे सेकना, डाउनलोड करके अपन थन राखे सेकना सम्भव फे हुइल बा । तबमारे आझुक आवस्यकता कना, थारु पहिचान के डिजीटलाइज करके संसारभर ओकर पहुँच सम्भव बनैना आउर देश दुनिया हे अपन इतिहास आउर पहिचान के बारेम अवगत करैना, थारु समुदायके बौद्धिक वर्ग, अगुवा आउर युवा ओइनके लग जरुरि हुइल बा ।

सन्दर्भ सामग्री

क्राउस्कोप्फ, जी. (१९८९). Maîtres et possédésM Les rites et lÚordre social dans une communauté du Téraï népalais. पेरिसः संस्करणहरू सीएनआरएस ।

क्राउस्कोप्फ, जी. (१९९०). पुजारीहरू, समारोहहरू र थारुहरूको सामाजिक संगठनः नेपालको तराईमा एक स्थानीय समुदाय। कैलाशः हिमालय अध्ययन जर्नल, १६(३-४), १०५-१३५ ।

क्राउस्कोप्फ, जी. (१९९५). नेपालको तराईमा थारुहरूको इतिहासमा केही टिप्पणीहरू । कन्ट्रीब्युसन्स टु नेपाली स्टडिज, २२(१), १-१४ ।

क्राउस्कोप्फ, जी. (२०००). जंगलदेखि खेतसम्मः थारु इतिहासको एक दृष्टिकोण । मेथभच, पी. (सं.). नेपालका राजाहरू र तराईका थारु (पृ. अज्ञात) मा । लस एन्जलसः रुस्का प्रेस ।

क्राउस्कोप्फ, जी., र मेयर, पी. (सं.). (२०००). नेपालका राजाहरू र तराईका थारुः के.आर. वान रिजटको फोटोग्राफिक संग्रह । लस एन्जलसः रुस्का प्रेस ।

गुनेरात्ने, ए. (२००२). धेरै जिब्रो, एक समुदायः नेपालमा थारु पहिचानको निर्माण । इथाकाः कोर्नेल युनिभर्सिटी प्रेस ।

गुनेरात्ने, ए. (२००७). चितवनका थारु । जोनस्टन, बी. आर., र ब्रोवर, बी. (सं.). लोप हुँदै गएका समुदायहरूः दक्षिण र मध्य एसियाका स्वदेशी समूह र जातीय अल्पसंख्यकहरू (पृ. ९१-१०६) मा । लन्डनः राउटलेज ।

स्कट, जे. (२००९). शासित नहुने कलाः उच्चभूमि दक्षिणपूर्वी एसियाको अराजक इतिहास। न्यू ह्याभनः येल युनिभर्सिटी प्रेस ।

(लेखक डंगौरा त्रिभुवन विश्वविद्यालयके उपप्राध्यापक हुइट ।)

दोषीहे कारवाहीके...

व्यवस्थापन सम्बन्धमे डेखल समस्या समाधानके लाग कारागार ऐनमे आवश्यक सुधारके लाग संघीय सरकारहे अनुरोध कैना उहाँ जनैलै ।

कैलाली कारागार भिटर रहल कैदीबन्दीके संख्या उ कारागारके क्षमतासे झण्डे पाँच गुणा ढेर डेखल (क्षमता १७५ जानेक रहल ओ हालके मितिमे ६९९ कैदीबन्दी रहल ओकर कारण उत्पन्न सुरक्षा चुनौती न्यूनीकरण कैना कारागारके क्षमता अनुसार कैदीबन्दी व्यवस्थापनके लाग कारागार विभागसँग समन्वय कैना सचिव दाहाल जनैलै ।

कारागार भिटर जैना खाद्यान्न टिना तथा अन्य वस्तुके निगरानी ओ चेकजाँच बहैना कारागार प्रशासन ओ सुरक्षाकर्मीहुकनहन प्रमुख जिल्ला अधिकारी मार्फत निर्देशन डेना, कैदीबन्दीक संख्यासे हालके कारागारके क्षमता बहुट कम रलक कारण सुरक्षा चुनौती उच्च डेखल सन्दर्भमे कारागारके क्षमता वृद्धि कैना ओ सुविधासम्पन्न कारागारके पूर्वाधार तथा खुला कारागारके अवधारणा कार्यान्वयन करेक लाग संघीय सरकार समक्ष अनुरोध कैना कहल बा ।

प्रदेश सरकार आन्तरिक मामिला तथा कानुन मन्त्रालय ओ कारागार प्रशासनवीच समन्वय करके कारागार भिटर कैदीबन्दीहुकनहे मनोवैज्ञानिक परामर्श ओ सकारात्मक सोच विकास कैना खालके कार्यक्रम सघनरुपमे संचालन कैना ओ कैदीबन्दीके लाग पुस्तकालय सुविधा उपलब्ध करैना कहल बा ।

कारागार सुरक्षार्थ खटना सुरक्षाकर्मीहुकनहे तीन-तीन महिनामे अदली बदली कैना व्यवस्था मिलैना, कारागार कार्यालय, कैलाली लगायतके प्रदेशभिटरके कारागारमे भोजनगृह, स्नानगृह ओ शौचालय निर्माण तथा मर्मत कार्यहे आन्तरिक मामिला तथा कानून मन्त्रालय, सुदूरपश्चिम प्रदेश मार्फत आघे बढ़ैना विज्ञप्तिमे जानकारी डेहल बा ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अत्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय
धनगढी, कैलाली

बार्‌हपहिरो पीडितहे घरबासके चिन्ता

बाजुरा, २६ सावन । बाजुराके बार्‌हपहिरो पीडितहे घरबासके चिन्ता हुइना करल बा । यहाँके बुढीगंगा, खप्तड छेडेदह, त्रिवेणी, गौमुल, बडिमालिका, बुढीनन्दा, स्वामिकार्तिक, जगनाथ ओ हिमाली गाउँपालिका लगायतके झण्डै एक सय ३५ बस्ती लम्मा समयसे बार्‌हपहिरोके उच्च जोखिममे रहल बावै ।

यी गाउँ बस्तीके टरेउप्पर आँजरपाँजरसे कम पानी परलेसे फेन पहिरो जैना करल ओरसे यहाँके स्थानीयहे बर्खाके समय पहिरोसे बस्ती छोप्ना डर हुइना हुइलपाछे उहाँहुक्रे बर्खा लागलसँगे घरबासके चिन्ता सुरु हुइना करल हो ।

गाउँके उप्परसे निरन्तर पहिरो जैटी रहठ् । उ पहिरोके लग्गे घर बा । आब बर्खा लागलपाछे उ घरमै कैसिक बास बैठ्ना कना चिन्ता सुरु हुइ लागल स्वामिकार्तिक खापर गाउँपालिका–२ के स्थानीय नरि लहार बटैलै ।

उहाँ कहलै, "गाउँ लग्गे धनाल्तके बरबार पहिरो बा । उ पहिरो हिउँदमे रुकठ् । बर्खाके समय फेनसे बहना सरु हुइठ् । ओकर डर बा । मने आर्थिक अभावके कारण अन्य कहाँरो जाइ सेकल नैहुइटी ।"

हिउँदके महिना आनन्द मनसे घरमे बास बैठ्ना करल रही । आब बर्खा लागल अनि चिन्ता फेन सुरु हुइल लुहार बटैलै । यी चिन्ता नरि लुहारके किल नैहोके यहाँके नाइना, गुइवन, बजेडी ओ अम्कोटवासीके फेन अस्टहे रहल बा । यहाँके स्थानीय टे बर्खाके समय पानी परटी किल घर छोरके चौरमे त्रिपाल डर्ना करठै ।

उहाँहुक्रनके हिउँदमे घर ओ बर्खाके समय चौरके त्रिपालके बास हुइना करल बा । हुइना टे पाछेक समय यहाँके स्थानीयहे बर्खाके समय पहिरो अइलेसे फेन भग्ना सहज हुइना मेरके गाउँ लग्गे साइरन जडान करल बा ।

बजेडी गाउँ लम्मा समयसे पहिरोके जोखिममे रहल ओरसे यहाँ बर्खाके समय यी बस्तीके स्थानीयहे भग्ना सहज हुइना मेरके साइरन जडान करल हो ।

स्थानीय सरकारसे यी बस्ती स्थानान्तरणके लाग जिल्ला प्रशासनहे पत्र पठैले बटै । जिल्ला प्रशासन कार्यालय बाजुरासे जोखिमके बस्तीहे स्थानान्तरणके लाग गृहमन्त्रालयमे माग कैटी आइल बा ।

हरेक बरस बर्खामे गाउँ छोरके उप्पर डाँडामे त्रिपाल टाँगके बैठी । मने गैल बरस बर्खामे भर गाउँमे साइरन जडान करल ओरसे ओक्रे सहारामे कहाँरो नैजाके घरमे बैठल बुढीगंगा नगरपालिका–२, बजेडीके स्थानीय गोपल लुहार बटैलै ।

उहाँ कहलै, "गुइबनके पहिरोसे पुरै बजेडी बस्ती खाली करसेक्ली । धन रहुइया गाउँ छोरसेक्लै । कुछ नैहुउइया किल यहाँ रहल बटी ।"

हिउँमे फेन पहिरो निरन्तर जैटी रहठ् । बर्खामे टे झन बाटे नैकरी । इहीसे हम्रहीनहे कौन रात पहिरोमे भाँठ् कुछ पटा नैरहल लुहार बटैलै ।

बाजुरामे झण्डै एक सय ३५ से ढेर गाउँ बस्ती बारहपहिरोके उच्च जोखिममे रहल बावै । यी बस्तीहे बिगतके कुछ बरससे नै स्थानान्तरण करे पर्ना हो । मने अब्बेसम उ बस्ती कहाँरो स्थानान्तरण हुइल नैहो ।

यहोर बारहपहिरोसे प्रभावित हुइल घरपरिवारके लाग अस्थायी टहरा निर्माणके लाग झण्डै छ करोड रुपियाँ आके स्थानीय तहके खातामे राखल जिल्ला प्रशासनके कार्यालय बाजुराके प्रमुख जिल्ला अधिकारी मेघनाथ पाध्या बटैलै ।

उहाँ कहलै, "बस्ती स्थानान्तरणके लाग जिल्लाके नौ स्थानीय तहसे आइल सक्कु सिफारिस गृहमन्त्रालयमे पठैले बटी ।" बस्ती स्थानान्तरण कैना वा नैकैना कना बात उहाँरसे अब्बेसम कुछ जानकारी नैआइल जिल्ला प्रशासन कार्यालय बाजुराके प्रमुख जिल्ला अधिकारी पाध्या बटैलै ।

जुवातास खेल्टी रहल अवस्थामे पाँच जाने पक्राउ

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २६ सावन । डडेल्धुराके अमरगढी न.पा.१ स्याउले बजार स्थित उहे न.पा.१० बैठना बर्ष ४२ के दिपक भण्डारीसे संचालन करल आरती होटेलके दुसरा तलामे जुवातास खेल्टी रहल पाँच जाने पक्राउ परल बटै ।

गोप्य सूचनाके आधारमे खानतलासी करेबेर जुवातास खेल्टी रहल अवस्थामे निज पसल सञ्चालक दिपक भण्डारीसहित ५ (पाँच) जनहनहे नगद रु.३७ हजार ७८५ ओ २०८ पट्टी तासहित जिल्ला प्रहरी कार्यालय डडेल्धुरासे खटल प्रहरी टोली पक्राउ करल हो । उ सम्बन्धमे ठप अनुसन्धान हुइटी रहल बा ।

हेपाटाइटिस रोगबाट बचौं

❖हेपाटाइटिस कलेजोमा हुने एक प्रकारको संक्रमण हो,
❖यस्तो संक्रमणले कलेजो बिग्रन सक्छ,
❖हेपाटाइटिस A, B, C, D, र E गरी पाँच प्रकारका हुन्छन् ।

यसका लक्षणहरू:
❖थकान महसुस हुने,
❖पेट दुख्ने,
❖आँखाको सेतो भाग पहेँलो हुने (जन्डिस देखिने),
❖वान्ता वा खानामा अरुचि हुने,
❖तौल घट्ने जस्ता लक्षण देखिन सक्छन् ।

हेपाटाइटिसबाट बच्नः
❖सफा पानी पिउने,
❖स्वच्छ खाना खाने,
❖हेपाटाइटिस विरुद्धको खोप लगाउने,
❖संक्रमितको रगत तथा सुईबाट टाढा रहने,
❖सुरक्षित यौन सम्पर्क गर्ने ।

"हेपाटाइटिस रोकथाम गरौं, जीवन जोगाऔं"

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

श्री शंकर सामुदायिक वन उपभोक्ता समूह

जोशीपुर गा.पा ३, कैलाली

काठ/दाउरा लिलाम विक्रीवितरण सम्बन्धी २१ दिने सूचना

प्रकाशित मितिः २०८२/०४/२७ गते

उपरोक्त सम्बन्धमा यस कार्यालयको च.नं. १४८८ मिति २०८१/११/२२ गतेको काठ दाउरा संकलन सहमती अनुसार त्यस सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहको वन क्षेत्रबाट काठ दाउरा संकलन भई आन्तरिक उपभोक्ताहरूलाई काठ/दाउरा विक्रीवितरण सम्बन्धी सूचना प्रकाशन गरी विक्रीवितरण गरे पश्चात घाटगद्दीमा मौज्दात रहेको काठ/दाउरा लिलाम प्रकृयाद्वारा विकीवितरण गर्नका लागि सहमती उपलब्ध गराई दिनु हुन भनी सब डिभिजन वन कार्यालय पचमुडियाको च.न. ०४ मिति २०८२/०४/१४ को पत्र साथ कागजात पेश हुन आएका हुंदा वन ऐन २०७६, वन नियमावली २०८१ दोस्रो संशोधन, तहाँ समूहको वन व्यवस्थापन कार्ययोजना तथा सामुदायिक वनको काठ दाउरा संकलन तथा विक्रीवितरण निर्देशिका २०७१ सुदूरपश्चिम प्रदेश सामुदायिक वनको काठ दाउरा संकलन तथा विक्रीवितरण निर्देशिका २०७९ बमोजिम तपसिस अनुसारको काठ/दाउरा निम्न बमोजिमको प्रकृया पुरा गरी लिलाम विक्री गर्न यो सहमती दिएको छ । सहमती दिइएको बाहेकका वन पैदावार विक्री गरेमा वा कुनै किसिमको अनियमित भए गरेमा सोको जिम्मेवार स्वयः समूह हुने र कानून बमोजिम कारवाही हुने व्यहोरा समेत सुचित गरिन्छ । साथै काठ/दाउरा संकलन गरेको स्थानमा यथाशिघ्र घेरबार वृक्षारोपण गर्न वा पुनरुत्थानको व्यवस्था मिलाउन हुन समेत जानकारी गरिन्छ ।

तपसिल

सि.न.	जात/प्रेड	प्रेड/परिमाण ए		बि		सि		डि		जम्मा		कैफियत
		थान	परिमाण	थान	परिमाण	थान	परिमाण	थान	परिमाण	गो.सं.	घनु.फि.	
१	खयर	-	-	-	-	-	-	-	-	१००	२११.२१	
	जम्मा	-	-	-	-	-	-	-	-	१००	२११.२१	

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि–कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि–कण्डिसन

धनगढी–४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

Empowering Futures through Technical Excellence !

CTEVT

Admission Open!

30 Seats Only

Certificate in Medical Lab Technology

Three-Year Diploma Program

Entry Requirement

- Min. 2.0 GPA in SEE or equivalent with grades in compulsory mathematics, science, and English. Or
- TSLC in Medical Laboratory Technology with 68.33%

Career Opportunities

- Hospitals and clinics
- Diagnostic and research laboratories
- Blood banks
- Pharmaceutical and biotech industries
- Self-employment in medical labs
- Government jobs

Further Studies and Career

- Bachelor in Medical Laboratory Technology (BMLT)
- Bachelor of Science in Laboratory Medicine
- Bachelor of Public Health (BPH)
- Bachelor of Pharmacy (BPharm)
- Bachelor of Nursing (BSc Nursing)
- B.Sc. in Microbiology/Biochemistry/Biotechnology

Contact Us

ATTARIYA TECHNICAL COLLEGE

GODAWARI-2, ATTARIYA, KAILALI

091-551286 | 9848412999

9742410357 | 9841672834

attariyatc@gmail.com

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

डा. संजयकुमार गुप्ता

एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)

इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ कन्सल्टेन्ट फिजिसियन (पेट, छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह (सुगर), प्रेसर, तथा थाईराईड रोग विशेषज्ञ

एन.एम.सी. नं.–१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखोकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, ढ्याउ-ढ्याउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुन्निने, पहेंलो पिसाब हुने)
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुन्निने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरूच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा बाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिर्खा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा झम-झम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाइराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाकने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

***हाम्रा सेवाहरू** : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन ।*

२) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९